



الجمهورية الجزائرية الديمقراطية الشعبية

ثانوية سي الحواس

1446/2024 هـ



مديرية التربية لولاية سيدي بلعباس

امتحان السنة الثالثة ثانوي

الشعبة: آداب وفلسفة

المدة: 4 ساعات

اختبار الفصل الأول في مادة: اللغة العربية وآدابها



يقول أحمد شوقي :

وَإِنْ حَلَلْنَا رَفِيقاً مِنْ رَوَابِينَا
نَجِيشُ بِالدَّمْعِ وَالْإِجْلَالِ يَثْنِينَا
لِحَاضِرِينَ وَأَكْوَابَ لِبَادِينَا
عَلَى نِيَامٍ وَلَمْ نَهْتَفِ بِسَالِينَا
فَيَا لَيْلِ الْهَوَى لِلْعَهْدِ رَاعِينَا
وَمِنْ مَصُونٍ هَوَاهُمْ فِي تَنَاجِينَا
حَتَّى أَتَتْنَا نَوَاكُمُ مِنْ صِيَاصِينَا
يَكَادُ فِي غَلَسِ الْأَسْحَارِ يَطْوِينَا
حَتَّى قَعَدْنَا بِهَا حَسْرَى ثُقَاسِينَا
لَوْ كَانَ فِيهَا وَفَاءٌ لِلْمُصَافِينَا
وَالسَّيْلُ لَوْ عَفَّ وَالْمِقْدَارُ لَوَدِينَا
مَاءٌ لَمَسْنَا بِهِ الْإِكْسِيرَ أَوْ طِينَا
عَلَى جَوَانِبِهِ الْأَنْوَارُ مِنْ سِينَا

الشوقيات، مؤسسة هندواي، 2012، 458/457.

- 1- آهًا لَنَا نَازِحِي أَيْكِ بِأَنْدَلَسَ
- 2- رَسْمٌ وَقَفْنَا عَلَى رَسْمِ الْوَفَاءِ لَهُ
- 3- وَمِصْرُ كَالكَرَمِ ذِي الْإِحْسَانِ فَأَكِهَةً
- 4- اللَّيْلُ (يَشْهَدُ لَمْ نَهْتِكْ دِيَاغِيَهُ)
- 5- وَالنَّجْمُ لَمْ يَرْنَا إِلَّا عَلَى قَدَمٍ
- 6- يَا مَنْ (نَعَارَ عَلَيْهِمْ) مِنْ ضَمَائِرِنَا
- 7- وَمَا غَلَبْنَا عَلَى دَمْعٍ وَلَا جَلَدٍ
- 8- نَطْوِي دُجَاهَ بَجْرَجٍ مِنْ فِرَاقِكُمُو
- 9- بِنْتًا ثُقَاسِي الدَّوَاهِي مِنْ مَوَاقِبِهِ
- 10- وَالنَّيْلُ يُقْبَلُ كَالدُّنْيَا إِذَا احْتَقَلَتْ
- 11- وَالسَّعْدُ لَوْ دَامَ وَالنُّعْمَى لَوْ اطَّرَدَتْ
- 12- أَلْقَى عَلَى الْأَرْضِ حَتَّى رَدَّهَا ذَهَبًا
- 13- أَعْدَاهُ مِنْ يُفْنِيهِ التَّابُوتُ وَارْتَسَمَتْ

شرح الكلمات: أَيْكِ: شجر / رواينا: سهولنا / رسم: آثار الديار / دياغيه: ظلامه / جلد: تحمل / نواكم: ابتعادكم / صياصينا: حصوننا / غلس: ظلمة آخر الليل / الدواهي: المصائب / المصافين: الأصدقاء / الإكسير: ماء وهمي يقال إنه يطيل العمر / التابوت: صندوق من خشب أو حجر يوضع فيه الميت.

الأسئلة



البناء الفكري: (10 ن)

- 1- ما هو موضوع القصيدة؟ وما هي الحالة النفسية التي يعانها الشاعر؟ وما سببها؟
- 2- ماذا تمثل كل من الأندلس ومصر بالنسبة للشاعر؟ وما وجه المقارنة بينهما؟
- 3- في أي لون شعري تصنف هذه القصيدة؟ وما هي النزعة الطاغية على الشاعر؟
- 4- تضمنت القصيدة قيم كثيرة ومتعددة، أذكر اثنتين منها.
- 5- ما النمط الغالب على النص؟ حدّد خاصيتين له.
- 6- لخص مضمون القصيدة.



البناء اللغوي: (06 ن) ✍

- 1- حدّد حقلي الألفاظ الآتية : حسرى ، أليك ، التّجم ، الدّمع ، الليل ، نقاسي .
- 2- اعرب ما تحته خط وما بين قوسين : نطوي ... / إذا .. / (يَشْهَدُ لَمْ نَهْتِكِ دِيَا جِيَهْ) / (نَغَارُ عَلَيْهِمْ)
- 3- حدّد نوع الصّورة البيانيّة مع الشرح ، و بيّن سرّها البلاغي فيما يأتي :
 - والنّجْمُ لَمْ يَرَنَا إِلَّا عَلَى قَدَمٍ
 - أَلْقَى عَلَى الْأَرْضِ حَتَّى رَدَّهَا ذَهَبًا
- 4- بيّن نوع الأسلوب الوارد في صدر البيت الأول؟ وما غرضه البلاغي؟
- 5- قطع البيت الأول تقطيعاً عروضياً ، وحدّد حرف الرّوي ، والقافية .

التقييم النقدي : (04 ن) ✍

- الشاعر أحمد شوقي من الشعراء الذين أسهموا في نهضة الشعر العربي الحديث وأعادوا له رونقه.
- 1- سمّ المدرسة الأدبية التي يُمثّلها .
 - 2- أذكر أهمّ خصائصها من حيث الشّكل ومن حيث المضمون .
 - 3- بيّن دورها في نهضة الأدب العربيّ مع ذكر أبرز رُوّادها .



مع دعواتنا لله بأن يوفقكم وتنجحوا ..أستاذ المادة



--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--